ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम विषय-हिन्दी व्याकरण

सर्वनाम

दिनांक—22/10/2020

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

<u>एन सी इ आर टी पर आधारित</u>

<u>2.निश्चयवाचक सर्वनाम</u>
~~~~~~~~~~

जो सर्वनाम शब्द पास या दूर की किसी वस्तु या व्यक्ति की ओर निश्चयपूर्वक संकेत कर रहे हों, वे निश्चयवाचक या संकेतवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे-

वह मेरा भाई है।

यह तुम्हारी घड़ी है।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम शब्द किसी अनिश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध कराते हैं, वे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं: जैसे-

कोई आया था।

दाल में कुछ गिर गया है।

किसी को बुला लाइए।

4. प्रश्नवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु या क्रिया के संबंध में प्रश्न करने के लिए प्रयुक्त होते हैं, वे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे-

आप क्या चाहते हैं?

वहाँ कौन आया है?

5. संबंधवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम शब्द वाक्य में आए शब्दों का परस्पर संबंध प्रकट करते हैं, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे-

जिन देखा तिन पाइया गहरे पानी पैठ।

जो करेगा सो भरेगा तू क्यों भया उदास।

●यहाँ कबीर के दोहों से लिए गए अंशों में संबंधवाचक सर्वनाम की स्थिति के अच्छे उदाहरण सामने आए हैं।

●जो-सो, जिसे-उसे, जितना उतना, जैसा-वैसा, जिसकी उसकी आदि संबंधवाचक सर्वनाम शब्द हैं।

6. निजवाचक सर्वनाम

कर्ता जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग अपने लिए करता ह, वे निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे-

यह चित्र मैंने स्वयं बनाया है।

यह काम मैं अपने-आप करूँगा।

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”